वर्ष :: 34 अंक : 06
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 05 नवंबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

मुसीबत में घिरी वेदांता ईएसएल

इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लिमिटेड की करनी का खामियाजा भुगत रही कंपनी

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बुरे काम का बुरा नतीजा, क्यों भाई चाचा, अरे हां भतीजा...! 1977 में बनी हिन्दी फिल्म 'चाचा भतीजा' का यह गीत बुरे कर्म के बुरे फल को परिलक्षित करता हुआ आज भी प्रासंगिक है। जैसा काम होगा, वैसा ही नतीजा तय है। लेकिन, गलत करने के बाद जब उसे जबरदस्ती सही ठहराते हुए इसका विरोध करने वाले की आवाज को दबा देने की कोशिश की जाय, तो इसे हद ही कहेंगे। झारखंड के बोकारो में कुछ ऐसा ही करने की कोशिश की थी स्टील उत्पादक कंपनी इलेक्ट्रोस्टील ने। लेकिन, कानून सबूतों को देखती है और उन्हीं सबूतों व प्रामाणिक साक्ष्यों को सही मानकर झारखंड हाईकोर्ट द्वारा विगत 10 अक्टूबर को सुनाया गया फैसला इलेक्ट्रोस्टील के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। इसके बाद अब इलेक्ट्रोस्टील को वनभूमि हड़पने की कोशिश महंगी पड़नी तय है। जमीन के बदले न सिर्फ उसे पांच गुना अधिक जमीन लौटानी होगी, बल्कि उस जमीन पर वनरोपण और अगले दस वर्षों तक उसकी देखभाल भी करनी होगी।

उल्लेखनीय है कि बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत सियालजोरी और भागाबांधा इलाके में संचालित इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लिमिटेड (अब वेदांता ईएसएल) से वन विभाग ने पहली बार अपनी जीत दर्ज की है। न्यायमूर्ति गौतम चौधरी की ओर से सुनाए गए इस फैसले के संदर्भ में 'मिथिला वर्णन' ने विगत 22 अक्टूबर 2023 के अंक में ही विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की थी।

जहां खड़ा किया कारखाना, वह वर्ष 1958 से ही अधिसूचित वनभूमि : हाईकोर्ट में चल रहे मामलों की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने कंपनी की ओर से दायर मामलों को निरस्त कर वन विभाग के पक्ष में फैसला सुनाया। वन विभाग की ओर से वनभूमि हड़पने के विरुद्ध इलेक्ट्रो स्टील पर लगभग चार दर्जन से अधिक मामले दर्ज कराए गए थे। इनमें से अधिकतर मामले कोर्ट ने निरस्त कर दिए थे, लेकिन तीन मामलों की संयुक्त सुनवाई में हाईकोर्ट ने वन विभाग के पक्ष में फैसला दिया। यह फॉरेस्ट डिपार्टमेंटकी पहली और ऐतिहासिक जीत मानी जा रही है। अदालत में अपनी **(शेष पेज- 7 पर)**

चर्चा का विषय बना झारखंड हाईकोर्ट का फैसला, 'मिथिला वर्णन' ने पूर्व में ही किया था प्रकाशित

वनभूमि हड़पने के मामले में हाईकोर्ट की सख्ती के बाद लौटानी होगी जमीन

मिथिला वर्णन | प्रदेश वर्णन | बोकारो रविवार | 22.10.2023 | 5
इलेक्ट्रोस्टील पर वन विभाग की पहली जीत, संरक्षित वनभूमि पर दावेदारी को हाईकोर्ट ने किया खारिज
हाईकोर्ट ने क्या पाया

बोले डीएफओ- पक्ष में फैसला एक अच्छा संदेश, सभी अतिक्रमित वनभूमि कराएंगे खाली

इस मामले में बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) रजनीश कुमार का कहना है कि इलेक्ट्रोस्टील कंपनी की ओर से प्लांट-स्थापना के समय हरी-भरी वन भूमि सहित 455 एकड़ वन भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था। इसके बाद वन विभाग की ओर से कई बार नोटिस दिया गया, लेकिन कंपनी ने कानून की शरण में जाकर मामले को उलझाने की न केवल कोशिश की, बल्कि अपने ऊपर किए गए केस को रद्द करने की भी मांग भी की। मामला उच्च न्यायालय तक पहुंचा, जहां लंबी सुनवाई के बाद कोर्ट का फैसला वन विभाग के पक्ष में आया। उन्होंने कहा कि वन विभाग के पक्ष में कोर्ट का फैसला आना एक बहुत ही अच्छा संदेश है। जिले में अतिक्रमिक वनभूमि को चिह्नित किया जा रहा है और सभी कब्जे वाली वनभूमि खाली कराई जाएगी।

2018 में वेदांता ने खरीदी थी कंपनी, बेचने के मूड में प्रबंधन

विदित हो कि यह मामला जब न्यायालय में चल रहा था, उस समय ही इलेक्ट्रो स्टील से वेदांता कंपनी ने प्लांट को 2018 में खरीद लिया। लेकिन, अब न्यायालय का उक्त फैसला वेदांता ईएसएल के लिए बुरी खबर है। ऊपर से चर्चा इस बात की भी है कि वेदांता ईएसएल को लेकर काफी घाटे में चल रही है। वेदांता स्टील इंडस्ट्री के क्षेत्र में अपने कारोबार को फायदे का सौदा नहीं मान रही है और जल्द ही इसे टाटा-बाय-बाय कहने का भी मूड भी बना रही है। दिग्गज माइनिंग कंपनी वेदांता लिमिटेड अपना स्टील बिजनस बेचने की तैयारी में है। अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली इस कंपनी ने चार साल पहले इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लिमिटेड को खरीदकर स्टील इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया था। लेकिन, अब उसने अपना स्टील बिजनस बेचने का मन बना लिया है। सूत्रों के मुताबिक वेदांता ग्रुप का जोर कर्ज घटाने और अपने मुख्य कारोबार पर फोकस करने का है। मार्च के अंत तक

-: शुभकामना एवं सूचना :-

समस्त सुधी पाठकों व शुभचिंतकों को धनतेरस व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। झारखंड स्थापना दिवस को दृष्टिगत रखते हुए मिथिला वर्णन का आगामी अंक 12 नवंबर, 2023 (रविवार) के बजाय 15 नवंबर, 2023 (बुधवार) को प्रकाशित होगा।

- संपादक

सियासत पूर्व विधायक ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए किया दावा, विधि-सम्मत काम न करने का लगाया आरोप

अगले माह तक गिर जाएगी हेमंत सरकार : सरयू

विशेष संवाददाता

रांची : पूर्व भाजपा नेता, भारतीय जनतंत्र मोर्चा के मुख्य संरक्षक और विधायक सरयू राय ने झारखंड की हेमंत सरकार के दिसम्बर तक धराशायी हो जाने का दावा किया है। यह दावा उन्होंने परिस्थितियों का आकलन करते हुए किया है। श्री राय ने कहा कि जो संकेत मिल रहे हैं, उससे यही प्रतीत होता है कि झारखंड की हेमंत सरकार दिसंबर तक शायद ही बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार विधि-सम्मत तरीके से काम नहीं कर रही है। करप्शन तेजी से बढ़ रहा है और सरकार से शिकायत करने के बावजूद कोई असर नहीं हो रहा है।

विधायक श्री राय ने कहा कि लोग ईडी की मंशा पर सवाल उठाते हैं, लेकिन मेरा सवाल यह है कि ईडी ने जिनके विरुद्ध भी कार्रवाई की है, उस कार्रवाई में कोई मीन-मेख निकला हो तो उसे सार्वजनिक करना चाहिए। श्री राय ने कहा- 'कोई भ्रष्टाचार कर रहा है तो ईडी कार्रवाई करेगी ही। यदि किसी को लगता है कि ईडी की कार्रवाई में कोई गड़बड़ी है तो सप्रमाण उसे पब्लिक डोमेन में रखें।'

उन्होंने कहा- 'झारखंड की सरकार में करप्शन काफी बढ़ गया है। जो भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।' श्री राय के अनुसार उन्होंने विधानसभा में सबूतों के साथ तथ्य रखे, लेकिन उन पर कोई एक्शन नहीं हुआ। स्पीकर के निर्देश के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि

कोई भी करप्शन चार्जेज हो, सरकार तुरंत एक कमेटी गठित कर देती है और कहती है कि 30 दिनों के भीतर रिपोर्ट दें। 30 दिनों के भीतर रिपोर्ट आ जानी चाहिए। लेकिन झारखंड में तो तीन-तीन साल तक कोई रिपोर्ट नहीं आती। ये काम करने का कौन सा तरीका है?

उन्होंने कहा कि 'मैं 32 के खतियान के विरोध में नहीं हूं। आप करना चाहते हैं तो करें, पर आपको 1932 और 2023 के बीच जो कुछ भी इस राज्य में घटा है, उसे समझना पड़ेगा। उसे आप न भूलें। यदि आप उसे भूलेंगे तो राज्य नहीं चलेगा। लोग दिखाते हैं अपना खतियान। हमें उससे कोई तकलीफ नहीं। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि इस झारखंड को अपना राज्य मानें। तभी बेहतर भविष्य सामने आएगा।

– संपादकीय –

मानवता को बचाने की जरूरत

यरुशलम यहूदी, ईसाई और इस्लाम, तीनों की ही पवित्र नगरी है। इन तीनों धर्मों की उत्पत्ति का केन्द्र भी यरुशलम को ही माना जाता है। इजरायल, यरुशलम और फिलिस्तीन एक ही भूमि से पैदा हुए वंशजों की भूमि है। लगभग चार हजार साल पहले यरुशलम से ही यहूदी, ईसाई और मुस्लिम धर्म शुरू हुए हैं। तीनों को अब्राहम की संतान के रूप में जाना जाता है। लेकिन, तीनों के बीच जिस तरह परस्पर घृणा देखने को मिल रही है, वह आश्चर्यजनक है। पिछले सात अक्टूबर को हमास के आतंकवादियों ने इजरायल पर पांच हजार रॉकेट दागे थे। इसके जवाब में इजरायल ने भी जिस तरीके से हमास और फिलिस्तीन को जवाब दिया है, मुस्लिम, यहूदी और ईसाई तीनों ही धर्म को मानने वाले जिस तरह से एक-दूसरे का नरसंहार कर रहे हैं, उससे पूरी मानवता शर्मसार हो रही है। लेकिन, इन तीनों धर्म को मानने वाले लोगों पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। अहंकार और धार्मिक कट्टरता ने इन्हें अंधा बना दिया है। कुछ देश फिलिस्तीन के गाजा पट्टी में रिहायशी इलाकों और अस्पतालों पर हमले के लिए एकतरफा इजराइल को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं दिख रहा है कि हमास ने किस तरह इजरायल पर हमला कर हजारों निर्दोष नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया। इस बीच हिजबुल्ला नामक आतंकी संगठन के लड़ाके भी इजरायल पर जोरदार हमले कर रहे हैं। अब अमेरिका भी इजरायल पर युद्ध-विराम करने का दबाव बना रहा है। ठीक है। जितनी जल्दी युद्ध-विराम हो, यह मानवता के लिए सुखद संदेश होगा। लेकिन, इजरायल किसी की सुनने को तैयार नहीं है। उसका कहना है कि जब तक हमास बंधक बनाये गए लोगों की रिहाई नहीं करता, तब तक युद्ध-विराम करना असंभव है। इजरायल की सेना अब जमीनी युद्ध पर उतर आयी है और उसने जमीन के भीतर सुरंगों में छिपे हमास के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। यहां बड़ा सवाल यह है कि हमास के आतंकवादी 500 किलोमीटर लम्बी सुरंग बनाने में कैसे सफल हो गए? आज इन्हीं सुरंगों में छिपे हमास के आतंकी इजरायली सेना पर मिसाइल हमले कर रहे हैं। कहा जाता है कि इन सुरंगों के दरवाजे मस्जिदों, अस्पतालों और मदरसों में खुलते हैं। हमारे देश भारत में भी कुछ लोग इस पूरे घटनाक्रम के लिए केवल इजरायल पर ही दोषारोपण कर रहे हैं। लेकिन, आखिर भारत सहित कई अन्य देशों में कुछ कट्टरपंथियों द्वारा जिहादियों का समर्थन क्यों किया जा रहा है? शायद दुनिया के किसी भी धर्म में नफरत और हिंसा की इजाजत नहीं है। फिर इंसानियत का खून बहाने वालों के प्रति हमदर्दी क्यों? संयुक्त राष्ट्र संघ ने युद्ध विराम की अपील की है। इसका भी इजरायल के ऊपर कोई असर नहीं हो रहा है। गाजा पट्टी में अस्पतालों पर हमले किए जा रहे हैं, वहां ईंधन और खाना-पानी सब इजराइल ने रोक दिया है। इजरायल बदले की आग में जल रहा है। जबकि दूसरी ओर, इस युद्ध में हजारों लोग मारे जा चुके हैं। 25000 से ज्यादा लोग घायल अवस्था में इलाज नहीं मिलने से लोग दम तोड़ रहे हैं। बिजली, पानी, खाना और ईंधन नहीं मिलने के कारण लोग तिल-तिल करके मर रहे हैं। सारी दुनिया के देशों में जिस तरह से मुस्लिम और ईसाई के बीच में धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा हो रहा है, नफरत की आग में जल रहे यहूदी, मुस्लिम और ईसाई धर्म को मानने वालों के बीच जिस तरीके से नरसंहार हो रहा है, वंश परंपरा में इससे ज्यादा घृणित कार्य आज तक नहीं हो सकता है। एक-दूसरे के प्रति इतनी नफरत शायद इसके पहले कहीं नहीं देखी गई। जरूरत इस बात की है कि मानवता को बचाने के लिए वैश्विक समुदाय जल्द से जल्द युद्ध-विराम की पहल करे। अन्यथा, यदि यही हालात बने रहे तो तीसरे विश्व-युद्ध की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

अस्पताल- सेवा नहीं, लूट के अड्डे

– डी. के. वत्स –

कहते हैं डाक्टर भगवान का रूप हैं। यकीनन हैं, पर बहुत कम, शायद नाम मात्र के ही। आज का कटु सत्य तो यह है कि मरीज महज ग्राहक और अस्पताल सेहत के नाम पर शरीर का खून तक चूस लेने वाली दुकान बन चुके हैं। सेवा-भाव की तो बात ही छोड़ दें। हमारे देश के तकरीबन 75 प्रतिशत अस्पताल निजी क्षेत्र में हैं। मात्र 25 फीसद अस्पताल सरकार द्वारा संचालित किए जाते हैं। उनमें भी अधिकतर अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स एवं गुणवत्ता वाले चिकित्सीय संसाधनों का अभाव रहता है। नर्स वगैरह भी ऐसे कि मरीज का स्लाइन बदलने तक के लिए उन्हें फुर्सत नहीं होती। मरीज का अटेंडेंट खुद ही यह सब करने को विवश होता है। जाहिर है, ऐसे में फाइव स्टार होटलों की तरह सुविधा व संसाधनों से परिपूर्ण निजी अस्पतालों की मनमानी बढ़ेगी ही और ऐसा है भी। वहां का आलम यह है कि मानवता वहां बस ज्ञान की ही बात बनकर रह गई है। हद तो तब हो जाती है, जब मरीज के मृत होने के बाद भी शव को वेंटिलेटर पर इलाजरत दिखाकर सिर्फ बिल बढ़ाया जाता है और जब पैसे की कमी हो तो शव तक बंधक बना लिया जाता है। मानव सेवार्थ सबसे पहले कैसे मरीज की जान बचाई जाय, इसकी चिंता नहीं, चिंता है तो बस येन-केन-प्रकारण ज्यादा से ज्यादा बिल बनाने की। लाजमी है, ऐसे में चिकित्सा पेशे से आमलोगों का विश्वास डगमगाएगा ही।

मरीज की मौत के एक माह बाद जांच रिपोर्ट देकर निगल ली बकाया राशि

हाल की कुछ घटनाओं पर गौर करें, तो दिल्ली में एक नामचीन अस्पताल की वैशाली शाखा में बातचीत करती सही हालत में एक महिला मरीज को भर्ती कराया गया। लेकिन, महज बिल बनाने की खातिर एक पखवाड़े से भी ज्यादा दिनों तक उसे बेहोशी की दवाइयां दी जाती रहीं। नतीजा यह हुआ कि मरीज हमेशा-हमेशा के लिए सो गईं और परिजनों के लिए आंसू छोड़ गईं। झारखंड के बोकारो के सेक्टर- 9 निवासी अरुण कुमार सिंह को दिल्ली में ही लीवर का इलाज करने वाले एक प्रसिद्ध अस्पताल में भर्ती कराया गया। जैसे-तैसे इलाज हुआ और उनका निधन होने के बावजूद अस्पताल ने पूरी रकम ऐंठ ली। बाद में शेष रकम खाते में डालने की बात कही, लेकिन मरीज के निधन के लगभग एक माह बाद उसके नाम पर ब्लड टेस्ट, एक्सरे आदि जांच के नाम पर डेढ़ लाख रुपए की बाकी रकम भी तथाकथित तौर पर एडजस्ट कर लिया गया। अब इसे लूट नहीं तो और क्या कहेंगे?

तय हों इलाज की दरें, दुरुस्त हों सरकारी सुविधा

दरअसल, निजी अस्पतालों की मनमानी पर नकेल कसने के लिए सरकार को निजी अस्पतालों में हो रही सारी जांचों, उपलब्ध दवाइयों, सर्जरी, परामर्श तथा हो रहे सभी प्रकार के इलाज के लिए दरें तय कर देनी चाहिए। निजी अस्पतालों में उपलब्ध आईसीयू बेड, वेंटिलेटर, आदि सुविधाओं की यथास्थिति ऑनलाइन होनी चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन करने पर निजी अस्पताल पर कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ-साथ सरकार को सरकारी अस्पतालों की संख्या, वहां पर डॉक्टरों, नर्सों एवं आधुनिक संसाधनों में बढ़ोतरी पर ध्यान दना चाहिए, ताकि निजी अस्पतालों का एकछत्र राज कम हो सके। निजी अस्पतालों के डॉक्टरों की फीस भी निर्धारित की जानी चाहिए, वे किसी अन्य ग्रह से नहीं आए हैं। हालत यह है कि आजकल कुछ डॉक्टर तो तत्काल टिकट की तरह तत्काल मरीजों को देखने की फीस तीन गुनी वसूलते हैं। हमारे यहां तमाम निजी अस्पतालों में सरकारी आदेशों की अनदेखी करना और मनमानी रकम वसूल

करना एक आम बात है। बेचारा मरीज तो मजबूर है, क्योंकि उसे लगता है कि निजी अस्पतालों में ही सही इलाज होता है। निजी अस्पताल प्राइवेट कॉरपोरेट कंपनियों की तरह चलाए जा रहे हैं। समाज की सेवा करने की बजाय इनका मकसद सिर्फ मुनाफा कमाना है।

सरकारी नुमाइंदों की सांठगांठ से होते हैं खेल

अस्पतालों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगने का मुख्य कारण सरकारी कारिंदों की मिलीभगत है। रक्षक ही जब भक्षक बन जाते हैं तो जनहित की योजनाओं का धरातल पर उतरना मुश्किल हो जाता है। चिरंजीवी योजना बेहतर योजना है, किंतु निजी अस्पतालों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो यह भी कारगर नहीं हो पाएगी। निर्दोष जनता को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। सरकारी अस्पतालों के डाक्टरों के साथ-साथ शीर्ष सरकारी अफसरों और निजी अस्पतालों के मालिकों की सांठगांठ से तमाम कायदे-कानून ताक पर रख दिए जाते हैं और जनता को भ्रमित करने के लिए नेताओं द्वारा प्राइवेट अस्पतालों की लूट-खसोट का रोना शुरू कर दिया जाता है, जबकि पक्ष-विपक्ष के नेताओं को अंदर का सारा खेल पता होता है। आरोप- प्रत्यारोप से असल मुद्दे को भटकाने की सस्ती राजनीति का ही परिणाम है कि आज निजी अस्पताल लूट खसोट का केंद्र बने हैं। सरकार अपनी चिकित्सा सेवाओं की बेहतरी के लिए हर बजट में करोड़ों रुपए आवंटित करती है, फिर भी प्राइवेट अस्पतालों के आगे सरकारी अस्पताल बौने ही दिखते हैं।

60 साल पहले ही दी गई थी चेतावनी

अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता अमरीका के कैनथ एरो ने आज से 60 साल पहले 1963 में ही चेतावनी दे दी थी कि स्वास्थ्य सेवा का बाजारीकरण आमलोगों के लिए घातक साबित होगा। ऐसा ही हुआ। बाकी देशों का तो नहीं पता, पर अपने भारत में तो स्वास्थ्य सेवा उद्योग में परिणत हो चुकी है। यह क्या और कैसे-कैसे गुल खिला रहे हैं, इसकी बानगी आए दिन अखबारों और समाचार चैनलों की सुर्खियां बनी रहती हैं। जिस प्रकार डॉक्टर यूनियन या कर्मचारी यूनियन होती है, उसी प्रकार पेशेंट यूनियन दबाव समूह के रूप में बनाई जाए। इस यूनियन में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो। इसके अलावा निजी अस्पतालों के खिलाफ अव्यवस्था व लापरवाही मिलने पर त्वरित कार्रवाई की कोशिश की जाए। लापरवाह डॉक्टर तथा स्टाफ के लाइसेंस जब्त होने चाहिए और उनके नाम सार्वजनिक किए जाने चाहिए। जब सख्त कार्रवाई होगी, तो दूसरे ऐसा करने से बचेंगे। इस सख्ती के साथ-साथ जब एक-एक चिकित्सक अपनी शपथ के अनुरूप मानव-सेवा का प्रण लेकर महज धनोपार्जन के उद्देश्य से परे काम करेंगे, तो ही इस पेशे पर लोगों का भरोसा बना रहेगा और तभी डाक्टर धरती का भगवान सही मायने में कहलाएंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ककरा करी मतदान

राजनीति केर हाल देखि सब
चाहय एहि सँ त्राण।।
कहू हम ककरा करी मतदान।।

बाट घाट बाजार सजल छै
नेत घटा नित बिका रहल छै
के ककरा सँ लड़ि रहलै अछि
केहि सँ ककर मिलान।
रंच भरि ककरहु ई नहि भान।
कहू हम ककरा करी मतदान।।

धरम नाम पर बाँटि रहल छै
जाति जाति कहि फाँटि रहल छै
भाइ भाइ मे मारि करा कैँ
निज लाभक ओरिआन।
बनाओत अप्पन भव्य दलान।
कहू हम ककरा करी मतदान।।

अनाचार केर सीमा टूटल
अत्याचारी घूमय छूटल
व्यभिचारी सभ सत्ता पाबय
कोना के पायब त्राण।
घंट मे अटकल सभकेर प्रान।
कहू हम ककरा करी मतदान।।

हमरे बल पर सत्ता पाबय
पाँच साल पुनि घुरि नहि आबय
आइ पुनः कुरसी केर खातिर
घर घर अछि फिरसान।
करै अछि कुटिल तीर संधान।
कहू हम ककरा करी मतदान।।

माटि दलानक कोड़ि रहलये
हाथ सकल कैँ जोड़ि रहलये
काज निकलिते पुनि नहि चीन्हत
सतत देखाओत शान
लाभ ले बदलत नित्य विधान।।
कहू हम ककरा करी मतदान।।

मैथिली कविता

– शम्भुनाथ –

भ्रष्टाचार के खात्मे को ले गोलबंद हुई आवाज

बीएसएल सहित कई संगठनों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का किया गया आयोजन

संवाददाता

बोकारो : 'भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें' थीम पर भ्रष्टाचार के विरोध में बोकारो में लोगों ने एकजुट होकर मुहिम चलाई। बोकारो स्टील प्लांट, बीपीएससीएल, डीवीसी सहित विभिन्न संगठनों में सतर्कता जागरुकता सप्ताह के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। न केवल संबंधित संस्थान के कर्मियों व अधिकारियों के लिए, बल्कि स्कूली बच्चों को भी भ्रष्टाचार के खिलाफ अभी से ही जागरूक रहने की प्रेरणा दी गई। इसके लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह शनिवार को मानव संसाधन विकास केंद्र के मुख्य प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीएसएल के अधिशासी निदेशक बीके तिवारी, सुरेश रंगानी, चितरंजन महापात्रा, राजन प्रसाद व जयदीप दासगुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं प्रभारी बोकारो जनरल हॉस्पिटल डॉ बी.बी. करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) तथा एसीवीओ अरुण कुमार, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अन्य वरीय अधिकारी एवं पुरस्कार विजेता उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल- 09ई की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ अरुण कुमार ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए सतर्कता सप्ताह के दौरान आयोजित किये गए विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी। अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी ने सतर्कता जागरूकता के सफल आयोजन के लिए सतर्कता विभाग की सराहना की और कहा कि सभी स्टेक होल्डर्स और जन सामान्य को इस अभियान से जोड़कर ही भ्रष्टाचार मुक्त भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम में अतिथियों ने विभिन्न श्रेणियों यथा भाषण, ड्राइंग, निबंध, पोस्टर कविता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरीय प्रबंधक (सतर्कता) श्रीमती चित्रा पराशर तथा धन्यवाद ज्ञापन उप महाप्रबंधक (सतर्कता) नवनीत कुमार ने किया।

बीपीएससीएल : विद्यालयों में बच्चों को दिलवाई सत्यनिष्ठा की शपथ

बोकारो पावर सप्लाई कंपनी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत कई कार्यक्रम हुए। समापन पर कंपनी के अधिकारियों द्वारा गांधी चौक से प्रशासनिक भवन तक जागरूकता फैलाने हेतु पैदल मार्च किया गया। मुख्य अतिथि आर आर सिन्हा ने कहा कि जब हम अपने कार्य को सतर्क रहते हुए सुचारू रूप से करेंगे तभी हमारा भारत समृद्धि की ओर अग्रसर होगा। सतर्कता पदाधिकारी कुलदीप शर्मा के अनुसार, सतर्कता सप्ताह के दौरान निबंध, क्विज, सुझाव तथा हाउस कीपिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समापन पर सभी विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए। इसी प्रकार, विभिन्न विद्यालयों में भी विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलवायी गई। सभी से समाजहित तथा राष्ट्रहित में सदैव कार्य करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में सीजीएम वी. अग्रवाल, जेएम प्रसाद, निशाकर पटनायक सहित कंपनी के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

डीवीसी सीटीपीएस में कई कार्यक्रम

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में सतर्कता जागरुकता को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीवीसी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और डीवीसी में कार्यरत अन्य कर्मियों ने सतर्कता जागरूकता की शपथ ली। इसके बाद वरिष्ठ महाप्रबंधक सह- परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर, वरिष्ठ महाप्रबंधक रामप्रवेश शाह, पी के मिश्रा, उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टी टी दास ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता जागरुकता की शपथ दिलाई। इसके बाद इकाई 7-8 के सम्मेलन कक्ष में एकदिवसीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय सत्ता लोगों को भ्रष्ट नहीं करती, लोग सत्ता को भ्रष्ट करते रहे हैं। शनिवार को प्रभात फेरी, निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक अभिषेक घोष, उप महाप्रबंधक डॉक्टर पी के घोष, रंजीत चौबे, सतर्कता पदाधिकारी राजकुमार चौधरी के अलावा अक्षय कुमार, अमूल्य सिंह सरदार, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, सुमन कुमार, रामजी रजक आदि शामिल थे।

बीटीपीएस में नारा-लेखन व भाषण प्रतियोगिता सहित विविध कार्यक्रम

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट में सतर्कता विभाग के द्वारा सतर्कता जागरुकता सप्ताह के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। पावर प्लांट के तकनीकी भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में डीवीसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु नारा लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सतर्कता तारीक सईद एवं प्रबंधक एचआर सुनील कुमार के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में जज के रूप में प्रबंधक सुनील कुमार, प्रबंधक वित्त बिहारी चौधरी, वरीय प्रबंधक शशि शेखर एवं दीनानाथ शर्मा का बखूबी योगदान रहा। कार्यक्रम में चंचला कुमारी, केरल टुडू, मनोज कुमार गुप्ता, रविंद्र सिन्हा, रवि रंजन, संजय राय, बेनुधर बेहरा, शकील अहमद आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मो शाहिद इकराम ने किया। सीआईएसएफ में भी सतर्कता जागरुकता के कार्यक्रम हुए, जिसके तहत प्रभातफेरी सहित कई आयोजन हुए।

सत्कार बेटे की हत्या के बाद ग्रामीण क्षेत्र में उन्नत शिक्षा का अलख जगा रहे अंबिका खवास, 10 साल पहले की थी शुरुआत

बच्चों को गांव में नहीं मिल रही थी अच्छी शिक्षा, तो खोल लिया खुद का स्कूल

संवाददाता

बोकारो : बच्चों को शिक्षित करने के लिए जहां बड़े-बड़े शिक्षा संस्थान अभिभावकों से मोटी रकम वसूलते हैं। वहीं, बोकारो जिले के चास प्रखंड अंतर्गत ऊसरडीह गांव में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अंबिका खवास व्यावसायिक मानसिकता से बिल्कुल दूर रहकर ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 20 गांवों के बच्चों शिक्षा की अलख जगाकर उनका जीवन संवार रहे हैं। श्री खवास द्वारा वर्ष 2013 में स्थापित विद्यालय का नाम है अमर शक्ति मेमोरियल स्कूल। श्री खवास ने कहा कि इस स्कूल की स्थापना के पीछे उद्देश्य यही था कि इस क्षेत्र में बच्चों का भविष्य अंधकारमय था। उन्होंने कहा- कोई बढ़िया स्कूल नहीं था, जहां बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले। विशेषकर, जब मैं चास में था तो मेरे साथ एक दुर्घटना हुई। मेरे बेटे का अपहरण कर उसकी हत्या हो गई। उसके बाद मैं गांव में आ गया। यहां बच्चों को पढाने के लिए कोई अच्छा स्कूल नहीं था। जिस स्कूल में बच्चों को दाखिला दिलावाया, वहां का पठन-पाठन मुझे अच्छा नहीं लगा। चूंकि, मैं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़ा रहा हूं तो इस क्षेत्र के प्रति मेरा दायित्व भी है। लोगों से अच्छा सम्पर्क रहा। कई लोगों ने सलाह दी कि कोई अच्छा स्कूल खोलिये। इसलिए मैंने इस विद्यालय की स्थापना की। श्री खवास ने अपने दादा स्वर्गीय अमरेश्वर खवास और दादी शक्ति देवी के नाम पर विद्यालय को शुरू कर दिया, जहां आज सैकड़ों बच्चे नाममात्र के शुल्क पर उन्नत सुविधायुक्त शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

दिहाड़ी मजदूरों के बच्चों को भी अच्छी पढ़ाई

अंबिका ने बताया कि उनके विद्यालय में बिल्कुल न्यूनतम फीस रखी गई है, जिसमें गार्जियन को बोझ नहीं पड़े। यहां अधिकतर अभिभावक मिडिल क्लास से निम्न वर्ग तक के हैं, जो प्रतिदिन दैनिक मजदूरी करते हैं। प्रतिदिन कोई ढाई सौ, कोई दो सौ रुपये कमाकर लाते हैं और अपने बच्चे को यहां पढ़ाते हैं। बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जो फीस जमा नहीं कर पाते, तो वैसे लोगों की फीस माफ भी कर देते हैं। कोई ऐसे भी हैं, जो कहते हैं कि मैं इतना नहीं दे पाऊंगा तो उनका भी विचार रखते हैं। इसमें 80 प्रतिशत काम हम समाजसेवा का ही करना पड़ता है। यहां ट्रांसपोर्टेशन लेकर अधिकतम फीस 1050 रुपया है। उसी में यहां से 20 से 25 किलोमीटर तक के बच्चों को लाकर पढ़ाते हैं। नजदीक के बच्चों की फीस कम है। सात सौ-साढ़े सात सौ रुपया है। पूर्णरूपेण समाजसेवा के ध्यान से ही वह काम करते हैं और यहां के जो अभिभावक हैं, वे सम्मान की नजर से देखते हैं। लगभग 20 किलोमीटर तक के बच्चे यहां आते हैं। अभी 10वीं तक की पढ़ाई होती है। उन्होंने बताया कि वह सीबीएसई से एफिलिएशन के प्रयास में लगे हैं। सीमित संसाधन में ही इसे चला रहा हूं और सीमित संसाधन में ही इसे आगे बढ़ाना है। यहां के लोगों का सहयोग अच्छा रहेगा तो यह स्कूल आगे चलकर बहुत ही अच्छी उपलब्धि हासिल करेगा।

कोरोनाकाल सबसे खराब समय

श्री खवास ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2013 में विद्यालय की शुरूआत की थी। सबकुछ अच्छा चल रहा था। बीच में एक कटु अनुभव रहा। कोरोनाकाल में विद्यालय बंद हो गया। पुनः शून्य से शुरू करना पड़ा। यह उनके लिए बड़ा खराब समय रहा। बच्चे इधर-उधर चले गए। गांव के अभिभावकों के पास ऑनलाइन सिस्टम नहीं हो पाया। मोबाइल नहीं था। एंड्रायड मोबाइल नहीं रहने के कारण ऑनलाइन पढ़ाई नहीं करवा सके। अब कोरोना समाप्त होने के बाद स्कूल धीरे-धीरे पुरानी स्थिति में लौट रहा है।

जनप्रतिनिधि दें 5 साल का हिसाब : देव

युवाओं के रोजगार को ले युवा लायंस फोर्स करेगी आर-पार की लड़ाई

संवाददाता

बोकारो : युवा लायंस फोर्स रोजगार के मुद्दे को लेकर स्थानीय जन-प्रतिनिधियों को घेरकर जल्द ही बड़े आंदोलन की शुरूआत करने वाली है। फोर्स जन-प्रतिनिधियों से इस मामले में पिछले पांच साल का हिसाब-किताब भी मांगेगी। इसका फैसला फोर्स की केंद्रीय कमेटी की बैठक में हुई। चास के विस्थापित चौक पर हुई इस बैठक की अध्यक्षता संतोष महतो ने की तथा संचालन करण महथा ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में युवा लायंस फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष सह- युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव देव शर्मा उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए देव शर्मा ने कहा कि युवा लायंस फोर्स का गठन ही बेरोजगार युवाओं के अधिकार के लिए किया गया था और आज तक लगभग हजारों युवाओं को हमलोग रोजगार

दिला चुके हैं। देव ने फोर्स के सभी लोगों से बेरोजगार युवाओं की सूची बनाने को कहा, ताकि जरूरतमंद युवाओं को निजी क्षेत्रों में रोजगार दिलाया जा सके।

श्री शर्मा ने कहा कि हमारे जन-प्रतिनिधियों को हम युवाओं से कोई मतलब नहीं रह गया है। आज बोकारो, चंदनकियारी के लाखों युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। कई पढ़े-लिखे युवा गार्ड या लेबर का काम करने में मजबूर हैं। कई को तो वो काम भी नहीं मिल पा रहा है। मजबूरन बड़े पैमाने पर लोग पलायन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 2024 चुनावी साल है। अब हमारे विधायक-सांसदों को वोट देने और दिलाने के लिए हम युवाओं की याद आएगी। भांति-भांति के प्रलोभन देकर और लुभावने सपनों का सहारा लेकर युवाओं को भ्रमित किया जाएगा, लेकिन इस बार युवा लायंस फोर्स ऐसा होने नहीं देगा। हमलोग चंदनकियारी-बोकारो के सभीं गांव, मुहल्लों में जाकर युवाओं को जागरूक कर उनके नेताओं से पांच साल का हिसाब मांगेंगे। देव ने सभी साथियों को बड़े आंदोलन की तैयारी में लगने को कहा। साथ ही साथ जल्द से बेरोजगार युवाओं को अपने संगठन युवा लायंस फोर्स का साथ देने का आह्वान भी किया। मौके पर युवा लायंस फोर्स के सैकड़ों नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बगैर लेवलिंग के ही बना रहे पीसीसी सड़क, डीसी से शिकायत

संवाददाता

चंदनकियारी : बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत बरवाडीह से खेखरीडीह तक लगभग 50 लाख रुपए की लागत से बनाए जा रहे पीसीसी पथ के निर्माण में धांधली का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों ने कार्य के संवेदक पर संबंधित अभियंता के साथ मिलकर घोर अनियमितता बरतने और नियम के विरुद्ध सड़क का निर्माण करने का आरोप लगाया है। इसकी शिकायत उन्होंने जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी से की है। ग्रामीण गोपाल चन्द्र महथा, कामदेव कुमार, विरंची लाल शर्मा, अनिमा कुमारी, महादेव शर्मा एवं विष्णु शर्मा ने संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त एक आवेदन देते हुए गड़बड़ी का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने कहा कि घटिया सामग्री के साथ लगातार सड़क-निर्माण किया जा रहा है। हम ग्रामीणों ने इसकी सूचना कनीय अभियंता को दी, परंतु वह मौन धारण किए हुए हैं। बिना रोड लेवलिंग के पीसीसी ढ़लाई कर काम किया जा रहा है। ढ़लाई में अधिक मात्रा में बालू डालकर एस्टीमेट के अनुरूप काम नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार इसे लेकर शिकायत की। संवेदक से कहने पर वह भड़ककर लड़ाई-झगड़े पर उतर जा रहे हैं। कार्य के दौरान कर्मचारी सरकारी उपस्थित भी नहीं रहते हैं। ग्रामीणों ने उपायुक्त से इस मामले में अविलंब कार्रवाई करते हुए अधिकारियों की उपस्थिति में उक्त कार्य को पूरा कराने की मांग की है। ग्रामीणों को एक अच्छा पीसीसी पथ मिले, इसके लिए वे सभी उनका आभारी रहेंगे।

कार्यक्रम जीजीएसईएसटी में दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का किया गया आयोजन

अभियंत्रण विज्ञान प्रबंधन बेहतर बनाने पर मंथन

संवाददाता

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज, बोकारो में चल रहे दो-दिवसीय द्वितीय 'नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रीसेंट ट्रेंड्स ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड मैनेजमेंट- 2023' का समापन शनिवार को हुआ। समापन सत्र में तीन श्रेष्ठ रिसर्च पेपरों को पुरस्कृत किया गया, जिनमें अभिमन्यु नायक, पीएचडी शोधकर्ता, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, बी.आई.टी. सिंदरी (मशीन लर्निंग टेक्निक फॉर सोशल मीडिया फेक प्रोफाइल डिटेक्शन), मनोज और डॉ. दीपक कुमार, एसिस्टेंट प्रोफेसर मैकेनिकल इंजीनियरिंग और बेसिक साइंस एंड ह्यूमैनिटी विभाग, जीजीएसईएसटी, बोकारो (लेजर पाउडर बेड फ्यूजन एंड प्रोसेस औफ मेटल एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट्सः ए ब्रीफ रिव्यू) तथा अभिषेक कुमार, पीएचडी शोधकर्ता, ईसीई, एनआईटी, जमशेदपुर (चैलेंजेस इन मेमरेस्टिव सरकिट बेस्ड इन्स्पायर्ड इन-मेमरी कंप्यूटिंग, ऑनलाइन प्रस्तुति) शामिल हैं। पुरस्कारों का वितरण संस्थान के सचिव सुरेंद्र पाल सिंह के हाथों हुआ। कॉलेज निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने समापन सत्र में नेशनल कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन का श्रेय प्रतिभागियों और काले टीम को देते हुए सबको बधाई दी। मंच-संचालन के लिए छात्रा प्रतिभा कुमारी और स्नेहा रत्न को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस आयोजन में डॉ. ए पी बर्णवाल एवं डॉ. विकास घोषाल ने उल्लेखनीय योगदान दिया। संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह ने इस सफलता पर सबको बधाई दी।

हफ्ते की हलचल

पांच दिनों तक बहती रही गीता ज्ञान की रसधार

बोकारो : चिन्मय मिशन बोकारो की ओर से सेक्टर-4 स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में पांच-दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। लगातार पांच दिनों तक मिशन की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती ने भगवान श्रीकृष्ण के मुख से उद्धृत गीता ज्ञान का बखान दिया। अध्यात्म की इस रसधार में श्रद्धालु गोते लगाते रहे। अपनी सरल वाणी में पूरे वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ उन्होंने आध्यात्मिक विश्लेषण किया। जीवभाव से मुक्ति साधना, साधना के प्रकार, साधक के लक्षणों के बारे में भी समझाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य स्वयं परमात्मा का अंश है, सत्य स्वरूप है, सुख है, परंतु जीव-भाव के कारण वह जीव हो जाता है। स्वामिनी जी ने सभी भक्तों से आग्रह किया कि वे अपने कर्म को करें उसके फल की चिंता नहीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रचना जौहरी, आदित्य जौहरी, अधिशासी निदेशक, ओएनजीसी, विजय कुमार बेहरा, मुख्य महाप्रबंधक, बोकारो इस्पात संयंत्र एवं गीतांजलि बेहरा सहित चिन्मय मिशन के सचिव हरिहर राउत, विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर एन मल्लिक, प्राचार्य सूरज शर्मा, नरेंद्र कुमार, भास्कर, संजीव मिश्रा, ज्योति दुबे आदि उपस्थित थे।

लक्ष्य-निर्धारण व कठिन परिश्रम सफलताका मंत्र : एसपी

बोकारो : चास स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल चास में द्विवार्षिक उन्मेष का आयोजना शनिवार को हुआ। इसमें गंगा व यमुना हाउस के विद्यार्थियों ने नृत्य व संगीत का मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रियदर्शी आलोक आईपीएस एसपी बोकारो व विशिष्ट अतिथि आशीष कुमार गुप्ता, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ईएसएल बोकारो थे। एसपी ने बच्चों को प्रेरित करते हुए लक्ष्य-निर्धारण, स्वयं से प्रेरित होते रहना और कड़ी मेहनत को सफलता का सूत्र बताया। विशिष्ट अतिथि ईएसएल के सीईओ आशीष कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन, प्रो. वाइस चेयरमैन एन. मुरलीधरन, डायरेक्टर नवीन शर्मा, कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे, डीन एकेडमिक जोस थॉमस, डीएस मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल, सैकड़ों अभिभावक सहित सभी शिक्षक मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान गंगा हाउस के वार्डन कुमार अनुराग और यमुना हाउस की वार्डन प्रीतिलता सेठ ने अपने-अपने हाउस की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

बीपीएससी में सफल अंकिता को महासभा ने किया सम्मानित

बोकारो : बैदकारो पूर्वी पंचायत स्थित चलकरी कॉलोनी निवासी एवं शिक्षक विनोद चौधरी की सुपुत्री अंकिता चौधरी को बीपीएससी (बिहार संघ लोकसेवा आयोग) की परीक्षा में सफल होने पर अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सह झामुमो नेता अनिल अग्रवाल ने उनके घर जाकर बधाई दी। उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए श्रीफल, चुनरी, बुके तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि अंकिता ने सफलता पाकर अपनी एक नई पहचान बनाई है। अपने परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। इस अवसर पर अंकिता ने कहा कि उसकी उपलब्धि का श्रेय पूरे परिवार को जाता है। परीक्षा के लिए कई महीने पूर्व से तैयारी शुरू कर दी थी। निरंतर परिश्रम करते हुए अनुशासन में के साथ पढ़ाई करने की जरूरत है। मौके पर उसके पिता विनोद चौधरी, चाचा मनोज चौधरी, विकास सिंह एवं परिवारजनों सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

रोटरी ने युवाओं को सिखाए नेतृत्व क्षमता के गुर

बोकारो : रोटरी बोकारो में चल रहे त्रिदिवसीय रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड (रायला) कार्यक्रम का आयोजना किया गया। प्रतिभागियों को योग शिक्षक डॉ विनय सिंह योग द्वारा योगाभ्यास कराया गया एवं जीवन में नित्य योगाभ्यास द्वारा शरीर और मन को स्वस्थ रखने वाली क्रियाओं से अवगत कराया गया प्रतिभागी एवं रोटरी के सदस्यगण जुंबा कार्यक्रम में शामिल हुए और बेहद खुशमिजाज अंदाज में सब ने जुंबा नृत्य किया। पहले सत्र का प्रारंभ रानी अग्रवाल ने किया, जिन्होंने प्रभावी संवाद यानी 'इफेक्टिव कम्युनिकेशन' पर एक संक्षिप्त परंतु प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इसके उपरांत रोटरी के पूर्व मंडलाध्यक्ष महेश केजरीवाल की सिंगापुर में कार्यरत सुपुत्री अनीशा ने हैप्पीनेस पर अपनी प्रस्तुति दी। रांची से आए रोटरी के पूर्व मंडलाध्यक्ष अजय छाबड़ा ने नेतृत्व विषय पर अपने ओजस्वी भाषण से सभी को कुशल नेतृत्व के गूढ़ रहस्य बताए। बोकारो स्टील प्लांट के असिस्टेंट सीनियर मैनेजर आनंद कुमार ने बहुत ही रोचक प्रश्न पूछे एवं विद्यार्थियों ने भी इसमें काफी जोश से भाग लिया। इसके बाद टैलेंट तड़का कार्यक्रम में बच्चों ने अपने-अपने ग्रुप (ऊर्जा, उल्लास, उमंग एवं उड़ान) की ओर से विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दीं, जिस में नृत्य, गीत, स्किड, कैटवॉक इत्यादि के द्वारा लोगों का उन्होंने भरपूर मनोरंजन किया और इस के पश्चात बोनफायर का आनंद लेते हुए भांगड़ा के धुन पर मस्ती भरा डांस किया। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन रायला की निर्देशका रो. चंद्रिमा रे ने किया।

दुर्घटनाओं का गढ़ रही है एमपी माइनिंग, कई शव हो गए गायब

पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष संतोष पासवान ने लगाया आरोप, कहा- हो उच्चस्तरीय जांच

विशेष संवाददाता

देवघर : देवघर जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पासवान ने देवघर स्थित एम पी माइनिंग फैक्ट्री प्रबंधन पर सरकारी नियमों का उल्लंघन और बड़े पैमाने पर राजस्व चोरी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- जैसा कि कुछ मजदूर बता रहे हैं, वहां सिर्फ दो मजदूरों की मौत नहीं हुई है। 5 जुलाई को तो दो मजदूरों की मौत हुई है, लेकिन उससे पहले कई मजदूर वहां मारे जा चुके हैं। लेकिन, इससे पहले वहां कई लाशें गायब हो चुकी हैं। उन्होंने कहा- 'मैं चाहता हूं कि माननीय उच्च न्यायालय की निगरानी में एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी बने और मामले की जांच हो। वहां जो एम पी माइनिंग फैक्ट्री है, इस फैक्ट्री में पिछले तीन साल में किन परिस्थितियों में मजदूर काम कर रहे हैं, वहां भारत सरकार, झारखंड सरकार के दिशा-निर्देशों और श्रम कानूनों का पालन हो रहा है या नहीं, मजदूरों को सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय अथवा वेतन, ईएसआई, पीएफ आदि की सुविधा मिल रही है या नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि पता चला है कि मजदूरों को पैसा नकद दिया जाता है। 5 जुलाई की घटना में मारे गये मजदूरों के परिजनों को मुआवजा, नौकरी आदि मांगों को लेकर जब उन्होंने 16 दिनों तक आमरण अनशन किया, उसके बाद शायद बैंक के माध्यम से कुछ मजदूरों को वेतन दिया जाने लगा है।

श्री पासवान ने कहा कि देवघर जिला के अन्दर जितना भी स्टील लगा हुआ था बाउंड्री में, उस फैक्ट्री में सबको निकलवा कर गला दिया गया। उन्होंने कहा कि उक्त कम्पनी द्वारा जीएसटी का भुगतान पूरा हो रहा है या नहीं, पिछले तीन साल में फैक्ट्री ने कितना लोहा खरीदा, कितना बेचा, इसकी भी जांच होनी चाहिए। इसके लिए मैं उपायुक्त, मुख्य सचिव, चीफ जस्टिस को लिखूंगा। यदि इसके लिए हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े तो जाऊंगा।

'कुव्यवस्था के खिलाफ लड़ता रहूंगा'

लगभग तीन महीने बाद जेल से वापस लौटे संतोष पासवान ने कहा मैं कुव्यवस्था के खिलाफ लड़ता रहूंगा। जब व्यवस्था निरंकुश हो जाती है तो उसे सुधारने के लिए लड़ना पड़ता है। मैं जेल भी गया तो संवैधानिक दायरे के तहत गया। देवघर में व्यवस्था कुव्यवस्था में बदल चुकी है। उसे सुव्यवस्था में बदलने का जिम्मा हमने उठाया है। पुनासी डैम के आंदोलन में लड़ाई लड़ते हुए मैं चार बार जेल गया। जो भी मेरे ऊपर केस हैं, उनमें सिर्फ 353 की धारा ही लगी है, जिसमें कहते हैं- सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करना। आजतक मेरे ऊपर कोई व्यक्तिगत आरोप नहीं लगा और न कोई क्रिमिनल केस है। एक साजिश के तहत कुछ मेरे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, कुछ प्रशासन की मिलीभगत से एक षडयंत्र के तहत बार-बार मुझे जेल भेजवाया जाता है। पिछली घटना, जो 5 जुलाई को यहां घटी थी एम पी माइनिंग कम्पनी में, उस कम्पनी में दो मजदूरों की मौत हुई। उसका परिवार रो रहा है, बिलख रहा है, उसे कोई देखने वाला नहीं। वहां से मुझे फोन आया, मैं पहुंचा और पहुंचने पर हम जो पीड़ित परिवार था, उन्हें मुआवजे की मांग कर रहे थे। लोकतंत्र है। देश हमारा आजाद है। इस आजादी की लड़ाई में कितने ही सिपाही वीरगति को प्राप्त हो गए। मैं भी यह ऐलान करता हूं कि, मैं भी पीड़ितों की सेवा में अंतिम दम तक उनकी लड़ाई लड़ूंगा। जब तक मेरी सांस है, मैं कुव्यवस्था के खिलाफ लड़ता रहूंगा। इसके लिए चाहे हजार बार मुझे जेल भेजा जाय।

परिजनों को मुआवजा व नौकरी मिले

श्री पासवान ने देवघर के एम पी माइनिंग फैक्ट्री में 5 जुलाई की घटना में मारे गए मजदूरों के परिजनों को 15-15 लाख रुपया मुआवजा और नौकरी देने की मांग की है।

जेल से खेल

ईडी के अफसरों को नुकसान पहुंचाने की साजिश

विशेष संवाददाता

रांची : जेल से सियासत और अपराध का खेल कोई पुराना मामला नहीं है। एक बार ऐसा ही झारखंड की राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा केद्रीय कारा से सामने आया है। बीते शुक्रवार को ईडी की छापेमारी यूं ही नही पड़ा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हाल ही में केद्रीय गृह मंत्रालय की टीम रांची आयी थी। गृह मंत्रालय की टीम को इस बात की भनक लगी थी कि जेल में बंद मनीलॉड्रिंग के आरोपी और नक्सली ईडी अधिकारियों के विरुद्ध साजिश रच रहे हैं। भनक लगते ही गृह मंत्रालय की टीम ने रांची पहुंच मामले की जांच की और ईडी को आगाह किया। इसके बाद ईडी की टीम ने बिरसा मुंडा केद्रीय कारा में छापेमारी की। इस प्रकरण को गृह मंत्रालय ने भी गंभीरता से लिया है। बताया जाता है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के द्वारा इस संबंध में एक पत्र भी राज्य पुलिस को भेजा गया है, जिसमें ईडी अफसरों की सुरक्षा को लेकर निर्देश दिया गया है, जिसके बाद से ईडी के अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार ईडी अफसरों की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय सुरक्षा बल सीआईएसएफ को दी गई है।

खबर है कि ईडी के अधिकारियों को नुकसान पहुंचाने के लिये जेल में बंद मनीलॉड्रिंग के आरोपी नक्सली से लेकर गैंगस्टर तक से संपर्क में था। इसके अलावे फर्जी मुकदमे के लिये महिला को भी तैयार किया था। ईडी अब उस महिला के बारे में जानकारी जुटा रही है। इसके अलावे जेल में बंद नक्सली और गैंगस्टर पर भी नजर रख रही है। ईडी के अधिकारी को नुकसान पहुंचाने के लिये प्रेम प्रकाश एंड कंपनी नक्सली और गैंगस्टर से भी संपर्क साध लिया था। रांची जेल में बंद गैंगस्टर के एक गुर्गे से इस बाबत आरोपियों ने बैठकर प्लानिंग भी की थी। हालांकि, इससे पूर्व ईडी को इसकी भनक लग गई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जेल में बंद मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी जेल प्रशासन की मदद से जेल नियम की धज्जियां उड़ा रहे हैं। जेल में बंद आरोपी एप्पल के फेस टाइम एप के जरिए बाहर के लोगों के संपर्क में आए थे। प्रेम प्रकाश के बाहरी सहयोगियों का आना-जाना लगा रहता है। जेल में लगे सीसीटीवी फुटेज नष्ट करने के सबूत ईडी को मिले हैं। पावर ब्रोकर प्रेम प्रकाश समेत मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी को वहां जेल नियम के विरुद्ध सुविधा दी जा रही है। इससे जुड़े सीसीटीवी फुटेज नष्ट किये जाने की जानकारी ईडी को मिली है। ईडी का दावा है कि ईडी के अधिकारियों को नुकसान पहुंचाने के लिये नक्सलियों से मदद ली जा रही है। साजिश के खतरे को लेकर ईडी ने गृह मंत्रालय को अवगत कराया है। केद्र सरकार पूरे मामले को गंभीरता से लिया है।

सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाएं विद्यार्थी : जिप अध्यक्षा

लौहपुरुष के योगदान के प्रति जागरुकता को लेकर सीबीसी धनबाद के प्रयासों की सराहना

संवाददाता

धनबाद : सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के विभाग केंद्रीय संचार ब्यूरो, धनबाद द्वारा जिले के गुजराती हिंदी उच्च/मध्य विद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस पर विशेष परिचर्चा सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्षा शारदा सिंह, झरिया प्रखंड की शिक्षा प्रसार पदाधिकारी लक्ष्मी वर्मा, विद्यालय समन्वय समिति के सदस्य गण रमेश भाई संघवी, विपुल ठक्कर, गुजराती हिंदी उच्च विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राहुल चौबे, गुजराती मध्य विद्यालय के प्रभारी विवेक सिंह, एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने किया। अतिथियों का स्वागत केंद्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ओंकार नाथ पाण्डेय ने अंग वस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं मोमेंटो देकर किया।

मुख्य अतिथि जिप अध्यक्षा श्रीमती सिंह ने अपने संबोधन में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम को सरदार पटेल के योगदान को याद करने का अनूठा प्रयास बताया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से लौहपुरुष के आदर्शों पर चलकर देश के निर्माण में योगदान देने की अपील की। मौके पर अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान शपथ-ग्रहण, नाट्य-मंचन, गीत-संगीत के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

हंसुआ लेकर जिलाधिकारी खुद उतर गए खेत

अगहनी धान फसल के कटनी-प्रयोग का लिया जायजा

सीतामढ़ी : बिहार राज्य फसल सहायता योजना अन्तर्गत अगहनी धान फसल की कटनी प्रयोग का निरीक्षण जिला पदाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने जिले के डुमरा प्रखंड अंतर्गत मुरादपुर पंचायत में किया। इसके लिए श्री मीणा खुद हंसुआ लेकर खेत में उतर गए। जिलाधिकारी ने स्थानीय किसानों से बात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उनसे चल रही कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिले एवं उनकी आय में वृद्धि हो, इसको लेकर पूरी गंभीरता से काम किया जा रहा है। विदित हो कि फसल कटाई प्रयोग उत्पादन एवं उपज दर, क्षति के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत कटनी का प्रयोग संभाविक रैंडम पद्धति से निकालकर प्लॉट का चयन किया जाता है, जिसमें प्लॉट का कट साइज 10 मीटर लंबा एवं 5 मीटर चौड़ा यानी कुल 50 वर्ग मीटर में किया जाता है। जिलाधिकारी के उक्त निरीक्षण में 50 वर्ग मीटर में की गई कटनी में कुल 27 किलो 200 ग्राम धान की उपज मिली। मौके पर लखीराम मुर्मू, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, अवर सांख्यिकी पदाधिकारी रणधीर कुमार, अमोद कुमार, अवर सांख्यिकी पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अविनाश कुमार, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी एवं कृषि समन्वयक रणकेसरी सिंह आदि मौजूद रहे।

पुपरी में छठ की तैयारी जोर-शोर से

पुपरी : जनकपुर रोड पुपरी में दुगार्पूजा के सफल व सौहार्दपूर्ण आयोजन के बाद अब आस्था के महापर्व छठ को भी धूमधाम से मनाने की तैयारी की जा रही है। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के सुविधार्थ नगर परिषद जनकपुर रोड पुपरी में छठ को लेकर सभी छठ घाटों की साफ-सफाई अनवरत नगर परिषद द्वारा कराई जा रही है। इसके लिए कर्मियों को खास तौर से निर्देश दिया गया है। पुपरी के अलावा, निकटवती खड़का-बसंत, कतरौल, हरदिया आदि गांवों में भी छठ महापर्व की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। बाजारों में दुकानें भी सज गई हैं।

धन में 13 गुणा चाहिए वृद्धि, तो करें धनतेरस पर कुबेर की पूजा

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

धन त्रयोदशी (10 नवम्बर, 2023) पर विशेष

लोकपाल कुबेर एक यक्ष हैं। कुबेर मनु पुत्र हैं। उनके पितामह मुनिवर विश्रवा के पुत्र महर्षि पुलस्त्य ने इड़विड़ा से विवाह किया, जिससे कुबेर उत्पन्न हुए। देवता कुबेर का निवास स्थान अलकापुरी है। पृथ्वी पर उनका निवास वट वृक्ष पर है।

धन त्रयोदशी के दिन कुबेर की पूजा की जाती है। कुबेर रावण के सौतेले भाई थे। सोने की लंका कुबेर की थी, पुष्पक विमान कुबेर का था, जिसे रावण ने कुबेर से छीन लिया था। कुबेर को कई बार धन कुबेर भी कहा गया है, क्योंकि वह धन-सम्पदा के ढेर पर विराजमान हैं।

उनके चित्रण में सबसे प्रमुख उनका विशाल पेट है। आश्चर्यजनक बात है की समृद्धि प्रदाता गणपति एवं कुबेर, दोनों का विशाल पेट उनके भण्डार का सूचक है। दाता वही बन सकता है, जिसके पास भण्डार हो, अन्यथा जिसे खुद के खाने-पहनने के लाले पड़े हुए हों, वह किसी और के साथ क्या बांटेगा? हालांकि, देवाधिदेव शिव इस नियम के अपवाद हैं, पर वे शिव हैं, औघरदानी, उनकी अन्य जनों से भला क्या तुलना?

यक्षराज कुबेर भगवान शिव के अनन्य भक्त हैं। कई शिव मंदिरों में कुबेर की मूर्ति होती है। कुबेर को धनेश भी कहा गया है। कुबेर का वाहन नेवला है। नेवला सांप से लड़ सकता है, उसे पराजित कर सकता है। हमारे धर्म में किसी भी खजाने के रक्षक सर्प माने गए हैं और कुबेर का सवारी नेवला सर्प को हराकर उस खजाने को हमारे लिए सुलभ कर सकता है।

शिव पुराण में कथा आयी है कि कुबेर पूर्व जन्म में गुणनिधि नामक एक चोर थे। एक बार गुणनिधि के गांव में एक भव्य शिव मंदिर बना। गुणनिधि उस शिव मंदिर के खजाने से रोज चोरी करते थे। एक दिन गुणनिधि ने सोचा कि रोज-रोज चोरी करने से क्या लाभ? एक दिन जाकर पूरे शिव मंदिर में वृहद चोरी का आयोजन किया जाए। अपने विचारानुसार गुणनिधि शिव मंदिर पहुंच गए, चोरी करने लगे। उस दिन शिव मंदिर में भयंकर आंधी-तूफान आया हुआ था। चोरी करने के लिए रोशनी चाहिए थी और आंधी-तूफान में दीपक बुझ जाता था। गुणनिधि बार-बार दीपक जलाते, जिसे आंधी बुझा देती। हारकर गुणनिधि ने अपने सारे वस्त्र उतार कर उसमें आग लगा दी, यह सोचकर कि इतनी बड़ी आग को बुझाने में आंधी को मशक्कत करनी पड़ेगी। शिव, गणनिधि की शिव मंदिर में उजाला बनाए रखने की दृढ़ता बनाए रखने के निर्णय पर पसीज गए और गुणनिधि की धन में आसक्ति को जानते हुए उन्हें अगले जन्म में धनाधिपति कुबेर बनने का आशीर्वाद दिया।

कुबेर मुद्रा धनाकर्षण में सहयोगी है। किसी विशेष कार्य पर जाने से पूर्व कुबेर मुद्रा करने से धन को अपनी ओर खींचना संभव होता है। दोनों हाथों को घुटने पर रखें और अंगूठे से तर्जनी एवं मध्यमा जोड़कर बैठने से उस कार्य में सफलता की संभावना बढ़ जाती है। धन त्रयोदशी के दिन कुबेर महाराज की पूजा करने से धन 13 गुना बढ़ जाता है, ऐसी मान्यता है। लेकिन, कुबेर को यह वैभव कहां से मिला? शिव ने कुबेर को अथाह धन-संपदा दी थी।

जहां कुबेर, वहां महालक्ष्मी राज्यश्री : कुबेर देव की महत्ता तो निराली ही है। ब्रह्मा और शिव द्वारा विशेष रूप से आशीर्वाद युक्त होने के कारण इनका स्थान शिव के साथ ही है तथा इनका सूर्य के समान तेज है। विशेष बात यह है कि देवताओं को भी धन के लिए कुबेर से ही प्रार्थना करनी पड़ती है। कुबेर का जहां स्थान होता है, वहां साक्षात महालक्ष्मी राज्यश्री के रूप में निवास करती हैं।

कुबेर देवताओं के धन का संचालन करते हुए अपने वैभव का इच्छित व्यक्तियों को दान करते हैं। भगवान शिव ने कुबेर को अपना वरदान देते हुए कहा कि- तुम मेरे मित्र हो और इस जगत में तुम्हारी पूजा मेरी पूजा के ही समान होगी। जो भी तुम्हारी पूजा, साधना, उपासना, ध्यान संपन्न करेगा, उसे तुम मुक्त हाथों से अपना वैभव प्रदान करना।

यंत्रराज है कुबेर यंत्र

वास्तु शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा के अधिपति कुबेर हैं और धनागमन के लिए इस दिशा को साफ और अवरोध मुक्त रखने की आवश्यकता है। मान्यता है कि रावण ने महादेव से कुबेर यंत्र प्राप्त किया था और इस यंत्र को सिद्ध किया था, जिसके फलस्वरूप वह और उसका राज्य पूर्णतः समृद्ध हो सका था और उसकी लंका सोने की बन गई थी। वास्तव में ही यह यंत्र अपने आप में यंत्रराज है और तंत्र एवं मंत्र से संबंधित समस्त ग्रंथों में इस यंत्र को सबसे अधिक महत्व दिया गया है। यह यंत्र धातु का बना होना चाहिए। साथ ही साथ यह केवल विजय काल में ही निर्मित होना चाहिए। जब इस यंत्र का निर्माण हो जाए, तब पूर्ण विधि-विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा और चैतन्य विधान होना चाहिए, जिससे कि यह यंत्र पूर्ण प्रभावयुक्त हो सके।

इस प्रकार का यंत्र स्वयं ही सिद्ध होता है। किसी जटिल विधि-विधान की आवश्यकता नहीं होती। प्रत्येक गृहस्थ को चाहिए कि घर में, व्यापार स्थल में, शुभ स्थान पर इस यंत्र को स्थापित कर नित्य इसका दर्शन करें तथा अगरबत्ती व दीपक जलाएं। यह यंत्र जिसके घर में या जिसके पास होता है, उसी को फलदायक होता है। किसी विशेष नाम से यंत्र का निर्माण नहीं होता। जिस प्रकार जहां पर भी दीपक जलाया जाता है, वहां रोशनी हो जाती है, ठीक उसी प्रकार यंत्र जिस घर में भी होता है, उसी घर को ऊंचा उठाने और पूर्ण समृद्धि-सुख एवं सौभाग्य देने में सहायक होता है।

धन त्रयोदशी कुबेर यंत्र स्थापना

समृद्धि का तात्पर्य है धन का निरंतर प्रवाह बना रहे। एक स्थाई संपत्ति बने। समृद्धि का प्रतीक स्वर्ण है। इस कारण स्वर्ण रूपी समृद्धि से परिपूर्ण होने के लिए धन त्रयोदशी को कुबेर साधना सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। धन त्रयोदशी यानी अपने धन को 13 गुना बनाने का दिवस है। इसी कारण धन त्रयोदशी को देवताओं के धनाध्यक्ष कुबेर का सिद्धि दिवस भी कहा जाता है, जो अपनी कृपा से धन को 13 गुना कर देते हैं। धन त्रयोदशी को अपने व्यापार स्थल, दुकान, घर इत्यादि में कुबेर यंत्र स्थापित किया जाता है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

आयु और आरोग्य प्रदायक धन्वन्तरि

प्रत्येक व्यक्ति संसार में अधिक से अधिक समय तक जीना चाहता है। सत्य बात तो यह है कि एक बार संसार में जन्म पाकर कोई भी 100 वर्ष के बाद भी मरना नहीं चाहता और शास्त्रों में भी इसी बात पर जोर दिया गया है कि शरीर की अच्छी तरह से देखभाल करनी है, जिससे कि मनुष्य 100 वर्षों तक क्रियाशील रह सके एवं उन अपेक्षाओं और लक्ष्यों को साकार कर सके, जो उसे अपने जीवन से है।

मुण्डकोपनिषद कहता है-

नायमात्मा बलहीनेन लभ्य...(3/2/14)

जो मनुष्य शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर होता है, वह साधना के मार्ग पर भलीभांति अग्रसर नहीं हो पाता है। वह ना तो अपने भौतिक कार्यों को भली-भांति संपादित करता है और ना ही आध्यात्मिक मार्ग पर उसकी उन्नति हो पाती है। दीर्घजीवी होने का उपाय क्या है? इसके उत्तर में कुछ लोग यह कह सकते हैं कि पौष्टिक आहार, घी, दूध, मेवा, मक्खन, मलाई आदि का प्रयोग करने तथा आराम का जीवन व्यतीत करने से स्वास्थ्य स्थिर होता है। परंतु इस कथन में सत्य का अंश कितना है, इसका आकलन हम उन लोगों से कर सकते हैं, जिनके पास भोग साधनों की तो कमी नहीं थी, किन्तु अच्छा स्वास्थ्य और दीर्घ जीवन प्राप्त नहीं हुआ। अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घ जीवन प्राप्त करने का मार्ग है- धन्वन्तरि साधना, उपासना, पूजन। आयुर्वेद के प्रणेता भगवान धन्वन्तरि की साधना से साधक को उन्नत स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है।

आयुर्वेद अर्थात स्वस्थ आयु का वेद

लौकिक दृष्टि से हो या आध्यात्मिक दृष्टि से, अपने लक्ष्य साधना के लिए अथवा गंतव्य तक पहुंचने के लिए मनुष्य को स्वस्थ मन और स्वस्थ शरीर की नितांत आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक स्वास्थ्य अनेक संदर्भों में एक दूसरे के पूरक होते हैं। अतः जिस भांति मन को अपने वश में रखना अवश्यंभावी होता है, उसी भांति शरीर को भी नियंत्रण रखना आवश्यक होता है।

आरोग्य के अभाव में लौकिक दृष्टि से भी मनुष्य वांछित सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। अतः आरोग्य की रक्षा हमारी प्राथमिक आवश्यकता है। मनुष्य अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए अपने जीवन को सुखमय बनाये, इस दृष्टि से ही आयुर्वेद का प्रकट हुआ है।

स्वास्थ्य प्रदायक भगवान धनवंतरि

धन्वन्तरि का प्रादुर्भाव समुद्र मंथन के पश्चात निर्गत कलश से अण्ड के रूप में हुआ। भगवान विष्णु की कृपा से धन्वन्तरि को देवत्व की प्राप्ति हुई और कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन इनका पूजन प्रारंभ हुआ। भगवान धन्वन्तरि ने मानव जाति को आयुर्वेद, योग का विशेष ज्ञान प्रदान किया। भगवान विष्णु की आज्ञा अनुसार धनवन्तरि संसार में व्यक्तियों को आयु और आरोग्य प्रदान करते हैं। जो साधक यह साधना करता है, वह निश्चित रूप से अपने जीवन में अष्टांग योग (यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि) का पालन करते हुए सदैव स्वस्थ रहता है और दीर्घायु प्राप्त करता है। उसके जीवन में भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति सदैव-सदैव बलवती रहती है। धनवन्तरि साधना वास्तव में आध्यात्मिक और भौतिक उन्नति को प्राप्त करने का साधन है। इस साधना को संपन्न करने वाला व्यक्ति सदैव ही प्रसन्न, जीवंत और उत्साहित रहता है। उसकी कार्य क्षमता बढ़ जाती है तथा रोग उसके पास आते ही नहीं हैं।

बीएसएल टीम ने चीन में लहराया भारत का परचम, जीता अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पुरस्कार

गौरव : एसएसएम-2 एवं सीसीएस की क्यूसी टीम अचिन्तय ने क्वालिटी ओलंपिक में बढ़ाया मान

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील के प्रतिभावान व दक्ष कर्मियों ने एक बार फिर अपनी कुशल सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया है। चीन के बीजिंग में 30 अक्टूबर से 02 नवंबर तक आयोजित क्वालिटी सर्किल के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीक्यूसीसी) में बोकारो स्टील प्लांट की टीम ने स्वर्ण जीतकर दुश्मन देश में अपने भारत का तिरंगा लहराया। बीएसएल के एसएसएम-2 एवं सीसीएस की क्वालिटी सर्किल टीम अचिन्तय ने प्रतिष्ठित स्वर्ण पुरस्कार जीतकर कंपनी का नाम रोशन किया है। गुणवत्ता नियंत्रण सर्किलों के लिए आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को गुणवत्ता ओलंपिक के रूप में जाना जाता है, जिसमें दुनिया भर के विविध उद्योगों के प्रतिभागी शामिल होते हैं।

क्वालिटी सर्किल टीम अचिन्तय ने एसएसएम-2 एवं सीसी से हॉट स्ट्रिप मिल को भेजे जाने वाले स्लैब की प्रेषण दर में सुधार करने के विषय को अपने प्रोजेक्ट के रूप में चयनित किया था। स्लैब हैंडलिंग के लिए उपयोग की जाने वाली इंटर-बे स्लैब ट्रांसफर कार (एसटीसी) की स्लैब के स्थानांतरण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसमें बार-बार खराबी आने से स्लैब के स्थानांतरण में देर होने के कारण उत्पादन की प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उक्त समस्या के समाधान के लिए क्वालिटी सर्किल टीम अचिन्तय ने इंटर-बे स्लैब ट्रांसफर कार में एक फनल स्ट्रक्चर लगाकर इसके रीलिंग ड्रम केबल पर उत्पन्न होने वाले तनाव को कम किया और रोटरी लिमिट स्विच का भी बदलाव किया तथा संतोषजनक परीक्षण प्रदर्शन के बाद इस समाधान को नियमित रूप से लागू किया गया।

क्वालिटी सर्किल के अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में क्वालिटी सर्किल टीम अचिन्तय की भागीदारी का समन्वय बिजनेस एक्सीलेंस विभाग के द्वारा किया गया। बोकारो स्टील प्लांट के शीर्ष प्रबंधन ने क्वालिटी सर्किल टीम अचिन्तय को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

इधर, अक्टूबर में बनाया डिस्पैच का नया रिकॉर्ड

बोकारो स्टील प्लांट के एचआरसीएफ विभाग ने अक्टूबर 2023 में 221814 टन प्राइम एच आर कॉइल्स के डिस्पैच का नया रिकॉर्ड हासिल किया है। प्राइम एचआर कॉइल्स के डिस्पैच का पिछला सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड मार्च 2007 के महीने में 219147 टन एचआर कॉइल्स का था। रेल और सड़क मार्ग के माध्यम से एचआर कॉइल्स के प्रेषण का यह उत्कृष्ट और उल्लेखनीय प्रदर्शन एचआरसीएफ विभाग की लोडिंग टीम के द्वारा डिस्पैच सर्किट के साथ जुड़े हुए अन्य विभाग जैसे- पीपीसी, ट्रैफिक, सीएमओ और हॉट स्ट्रिप मिल के साथ करीबी समन्वय से संभव हुआ है। एचआरसीएफ विभाग के द्वारा अक्टूबर 2023 माह में सड़क मार्ग से 5650 टन एचआर कॉइल्स का सर्वकालिक रिकॉर्ड डिस्पैच पीपीसी विभाग के सराहनीय सहयोग से किया गया है। अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी ने एचआरसीएफ विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और सभी सदस्यों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दी।

5 वर्षों के संघर्ष के बाद रुपहले परदे पर रिलीज हुई 'कभी छूटे ना बंधन प्यार के'

मनोरंजन की खबरें

संवाददाता

बोकारो : इस्पातनगरी बोकारो, इसके उपशहर चास और आसपास के इलाके में बनी चिरप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म 'कभी छूटे ना बंधन प्यार के' की शूटिंग बड़े परदे पर रिलीज हो चुकी है। बोकारो में ही सेक्टर-4 स्थित जितेन्द्र सिनेमा में इसे रिलीज किया गया। इस प्रीमियर शो में बड़ी संख्या में दर्शक शामिल हुए। विगत पांच वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अंततः यह फिल्म रिलीज हो सकी। इसे लेकर फिल्म बनाने वालों से लेकर इसके कलाकारों व सभी टीम मेंबर में हर्ष है। एक प्रेसवार्ता में फिल्म के निर्माता, निर्देशक व लेखक अरविन्द बिलाश स्वामी ने बताया कि भोजपुरी फिल्म नदिया के पार के बाद पारिवारिक मूल्यों तथा पति-पत्नी के प्रेम के बंधन को दर्शाती ऐसी फिल्म है, जिसे लोग पूरे परिवार के साथ बैठकर देख सकते हैं। फिल्म में किसी भी तरह की कोई फूहड़ता नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस फिल्म के बनने की भी कहानी है। वह कहानी है संघर्ष की। लंबे समय से इसे तैयार करने पर काम चल रहा था। नकारात्मकता से उबरकर अंततः फिल्म को पूरा कर लिया गया और आज यह रिलीज को तैयार है। फिल्म निर्माण मैनेजमेंट से जुड़े नरसिंह शर्मा ने कहा कि इस भोजपुरी फिल्म में प्रेम, सामाजिकता, पारिवारिक संबंधों को बहुत सुंदर ढंग से दर्शाया गया है।

फिल्म के कलाकारों में राकेश मिश्रा, शुभी शर्मा, संजय पांडे, ब्रजेश त्रिपाठी, सुनीता शर्मा, विश्वजीत कुमार आदि शामिल हैं। फिल्म में संगीत अविनाश झा (घुंघरू) ने दिया है। संवाददाता सम्मेलन में डॉ राकेश रंजन, अरुण पाठक, रमण चौधरी, संयय सिंह, अशोक कुमार सिंह, प्रसेनजीत शर्मा आदि उपस्थित थे।

पेज- 1 का शेष

मुसीबत में घिरी...

फाइंडिंग्स में स्पष्ट किया है कि कंपनी द्वारा सरकारी भूमि की यह फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की पहली और ऐतिहासिक जीत मानी जा रही है। अदालत ने अपनी फाइंडिंग्स में स्पष्ट किया है कि कंपनी द्वारा सरकारी भूमि की एक बड़े हिस्से पर स्वामित्व का दावा किया गया है, जिसे वर्ष 1958 में ही संरक्षित वन क्षेत्र के रूप में विधिवित अधिसूचित किया गया था। न्यायालय की ओर से कंपनी के दावे को प्रथम दृष्ट्या सही नहीं माना गया। कंपनी ने एक तो चोरी, ऊपर से सीनाजोरी वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए उसके विरुद्ध दर्ज मुकदमों को रद्द करने की गुहार लगाई थी, जिसे कोर्ट ने अंततः अनगंल माना। कोर्ट ने कंपनी द्वारा सैकड़ों एकड़ वनभूमि पर अतिक्रमण किए जाने की बात मानी और अब इस फैसले के आलोक में इलेक्ट्रो स्टील वेदांता कंपनी को वन विभाग को 455 एकड़ जमीन के बदले 2400 एकड़ जमीन देनी पड़ेगी।

सीईओ बोले- हमने नहीं तोड़ा कानून

इस मामले में वेदांता ईएसएल के सीईओ आशीष के. गुप्ता का कहना है कि ईएसएल स्टील लिमिटेड को 2018 में दिवाला और दिवालियापन कानून के तहत वेदांता समूह द्वारा अधिग्रहित किया गया था। वेदांता भूमि कानून के पूर्ण अनुपालन में विश्वास करती है और हम कंपनी के पिछले प्रमोटरों से विरासत में मिली सभी गैर-अनुपालनों को हल करने की प्रक्रिया में हैं। अधिग्रहण के बाद से वेदांता ने कोई गैर-अनुपालन नहीं किया है। हम कानून के अनुसार मुद्दों को हल करने के उन्नत चरण में हैं। हम वर्तमान उच्च न्यायालय के फैसले से अवगत हैं और यह स्पष्ट करना चाहेंगे कि यह विरासत भूमि मुद्दे और कंपनी के पूर्व प्रवर्तकों से संबंधित है और इसका वेदांता से कोई संबंध नहीं है।

2018 में वेदांता ने...

कंपनी पर 11.7 अरब डॉलर का कर्ज था। इलेक्ट्रोस्टील को बेचने के लिए वेदांता ने कई स्टील कंपनियों से संपर्क साधा है। वेदांता ने 2018 में टाटा स्टील को पछाड़कर इलेक्ट्रोस्टील को 5,320 करोड़ रुपये में खरीदा था। खबर है कि वेदांता लिमिटेड ने आर्सेलर मित्तल, निप्पोन स्टील, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू और जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड से संपर्क साधा है। साथ ही, फाइनेंशियल इनवेस्टर्स के एक ग्रुप को भी अप्रोच किया गया है। कई कंपनियों के टॉप अधिकारी वेदांता ग्रुप के अधिकारियों के साथ साइट विजिट भी कर चुके हैं। इनमें आर्सेलर मित्तल के सीईओ आदित्य मित्तल भी शामिल हैं।

अवैध भंडारण को लेकर बीएसएल पर कसा शिकंजा

इधर, भतुआ में वनभूमि पर अवैध बालू भंडारण का ठिकाना बनाये जाने पर वन विभाग बीएसएल पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) ने बीएसएल को पत्र लिखकर चास थाना क्षेत्र के भतुआ में वनभूमि पर गैर-वानिकी कार्य किये जाने पर आपत्ति जताई है। डीएफओ ने अपने पत्रांक-2440, दिनांक- 02.11.2023 बीएसएल के अधीनस्थ अखण्डित वनभूमि पर हाल के दिनों में बालू का भंडारण कर वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 का उल्लंघन किये जाने का उल्लेख करते हुए उक्त वनभूमि पर गैर-वानिकी कार्य को हटाने तथा वनभूमि को शीघ्र अपने पुराने स्वरूप में लाने की बात कही है। पत्र के अनुसार लगभग 2-3 एकड़ वनभूमि पर बिना भारत सरकार की पूर्वानुमति के गैर वानिकी कार्य किया गया है। वहां चोरी-छिपे खनित कर निकाले गए बालू का अवैध भंडारण किया जा रहा है। चूंकि उक्त वनभूमि बीएसएल के प्रशासनिक नियंत्रण में है, इसलिए वन विभाग ने बीएसएल को इस मामले में पत्र लिखा है।

मिथिला वर्णन
हिन्दी साप्ताहिक

देश-विदेश वर्णन

Postal Reg. No.- DNB- 072/2021-23
बोकारो रविवार 05.11.2023
News & E-paper : www.varnanlive.com

... और मौत की नींद सुला गई कुदरत

आधी रात को मचा कहर और सब कुछ हो गया तबाह

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : भारत के पड़ोसी देश नेपाल के लिए शुक्रवार मध्यरात्रि कहर बरपा। आधी रात को आए भीषण भूकंप ने अपने-अपने घरों में सोए लोगों को हमेशा-हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दी। लोग आने वाले कल के लिए अपनी आंखों में सुनहरे सपने लेकर सोए थे, लेकिन उन्हें क्या पता कि कुदरत हमेशा के लिए ही उन्हें सुला देगी और सब कुछ तबाह हो जाएगा। इस तबाही का मंजर ऐसा है कि 250 से अधिक लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हैं। हजारों घरौंदे ताश के पत्तों की तरह धराशायी हो गए। हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं। भूकंप से गिरे मलबे में अभी भी लोग दबे हुए है उन्हें निकालने के प्रयास किए जा रहे है। वहीं घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रशासनिक अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।

बता दें कि शुक्रवार रात नेपाल में 6.4 की तीव्रता से आए भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। इसके झटके भारत की राजधानी दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। नेपाल में भूकंप से जान-माल को काफी नुकसान हुआ है। इस घटना में लगभग 250 लोगों की मौत होने की खबर है। जबकि लगभग 150 की हालत गंभीर बताई जा रही है। रुकुम पश्चिम में 40 और जाजरकोट में 38 लोग मारे गए हैं। रुकुम पश्चिम के डीएसपी नामराज भट्टराई और जाजरकोट के डीएसपी संतोष रोक्का के हवाले से ये जानकारी सामने आई है। शनिवार सुबह 3 बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार, जाजरकोट और पश्चिमी रुकुम में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। अकेले जाजरकोट में 44 मौतें हुई हैं। जाजरकोट जिले के पुलिस उपाधीक्षक संतोष रोका ने बताया कि मृतकों में नलगढ़ नगर पालिका की उपमहापौर सरिता सिंह भी शामिल हैं। जाजरकोट में 55 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। उनमें से पांच को सुरखेत के करनाली प्रांत अस्पताल ले जाया गया है।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' शनिवार सुबह एक चिकित्सकीय दल के साथ घटना स्थल रवाना हुए। उन्होंने बताया कि नेपाल सेना और नेपाल पुलिस को बचाव कार्य में लगाया गया है। प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि पश्चिमी रुकुम में मरने वालों की संख्या 40 तक पहुंच गई है। पश्चिमी रुकुम जिले के पुलिस उपाधीक्षक नमराज भट्टाराई ने इसकी जानकारी दी है। आथबिस्कोट नगरपालिका में 38 लोगों के मरने की सूचना है। सानीभेरी ग्रामीण नगरपालिका में पांच और लोगों की मौत हुई है। शुक्रवार की रात करीब 11 बजकर 32 मिनट पर आए भूकंप के कारण लोगों को अपने घरों से बाहर निकलना पड़ा। भूकंप का केंद्र नेपाल में अयोध्या से लगभग 227 किलोमीटर उत्तर और काठमांडू से 331 किलोमीटर पश्चिम उत्तर-पश्चिम में 10 किलोमीटर की गहराई में था। नेपाल में एक महीने में तीसरी बार तेज भूकंप आया है। गुरुग्राम, गाजियाबाद इलाके में भूकंप के झटके 15 सेकंड से ज्यादा देर तक महसूस किए गए।

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

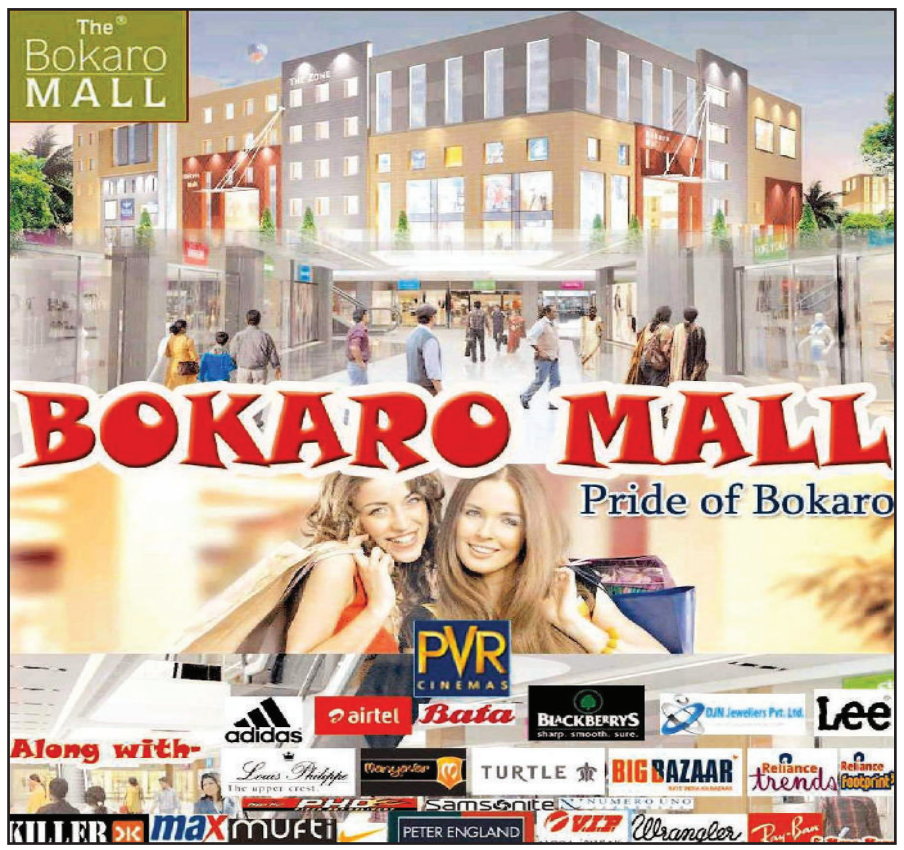

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)